

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...



शिव की प्रीत ने सिखलाया

सब से प्रीत निभाना

सारी दुनिया अपनी है

कोई नहीं बेगाना



शुक्रिया प्यारे शिव बाबा शुक्रिया
हमेशा ज्ञान-रत्नों से सजाते रहना



"सर्व खज़ानों की चाबी एक शब्द - 'बाबा'"

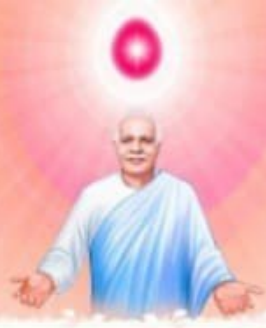
आजकल की दुनिया में जो अमूल्य खज़ाने लाकर्स वा तिजोरियों में रखते हैं, उन्हीं के खोलने की विधि डबल चाबी लगाते हैं वा दो बारी चक्कर लगाना होता है। अगर वह विधि नहीं करेंगे तो खज़ाने मिल नहीं सकते। लाकर्स में देखा होगा - एक आप चाबी लगायेंगे, दूसरा बैंक वाला लगायेगा। तो डबल चाबी होगी ना! अगर सिर्फ आप अपनी चाबी लगाकर खोलने चाहो तो खुल नहीं सकता। तो यहाँ भी आप और बाप दोनों के याद की चाबी चाहिए। कई बच्चे अपने नशे में आकर कहते हैं - मैं सब कुछ जान गया हूँ, मैं जो चाहूँ वह कर सकता हूँ, करा सकता हूँ। बाप ने तो हमको मालिक बना दिया है। ऐसे उल्टे मै-पन के नशे में बाप से सम्बन्ध भूल, स्वयं को ही सब कुछ समझने लगते हैं। और एक ही चाबी से खज़ाने खोलने चाहते हैं। अर्थात् खज़ानों का अनुभव करने चाहते हैं। लेकिन बिना बाप के सहयोग वा साथ के खज़ाने मिल नहीं सकते, तो डबल चाबी चाहिए। AM-14-10-81



BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu



/AvyaktMurliEssence



अव्यक्त शिक्षाएँ

भाग्य विधाता मेरा बाप है। इससे बड़ा नशा और क्या हो सकता है। लौकिक रीति से बच्चे को नशा रहता - मेरा बाप इन्जीनियर है, डाक्टर है, जज है या प्राइम मिनिस्टर है। लेकिन आपको नशा है कि हमारा बाप 'भाग्यविधाता' है। ऊँचे ते ऊँचा भगवान है। यही नशा सदा रहता है या कभी कभी भूल जाते हो? भाग्य को भूला तो क्या होगा? फिर भाग्य को पाने का प्रयत्न करना पड़ेगा। खोई हुई चीज़ को पाने के लिए मेहनत करनी पड़ती है। बाप ने आकर मेहनत से बचाया। आधाकल्प मेहनत की, व्यवहार में भी मेहनत, भक्ति में, धर्म के क्षेत्र में, सब में मेहनत ही की। और अभी सभी मेहनत से छूट गये। अभी व्यवहार भी परमार्थ के आधार पर सहज हो जाता है। निमित्त मात्र कर रहे हैं। निमित्त मात्र करने वाले को सदा सहज अनुभव होगा। व्यवहार नहीं है लेकिन खेल है। माया का तूफान नहीं लेकिन यह ड्रामा अनुसार आगे बढ़ने का तोहफ़ा है। तो मेहनत छूट गई ना! तोहफ़ा अर्थात् सौगात लेने में मेहनत नहीं होती है ना। तो ऐसे मेहनत से अपने को बचाने वाले, सदा भाग्य विधाता के साथ मास्टर भाग्य विधाता बन रहने वाले, इसको कहा जाता है- श्रेष्ठ आत्मा।

सेकण्ड में फुल स्टॉप...

बापदादा- 3-02-2002

अच्छा। अभी खेल में खेल देखा। अभी बापदादा कहते हैं साक्षी होकर खेल देखा, इन्जाय किया, अभी एक सेकण्ड में एकदम देह से न्यारे पावरफुल आत्मिक रूप में स्थित हो सकते हो? फुलस्टाप।

(बापदादा ने बहुत पावरफुल ड्रिल कराई)

अच्छा - यही अभ्यास हर समय बीच-बीच में करना चाहिए। अभी-अभी कार्य में आये, अभी-अभी कार्य से न्यारे, साकारी सो निराकारी स्थिति में स्थित हो जाएं।



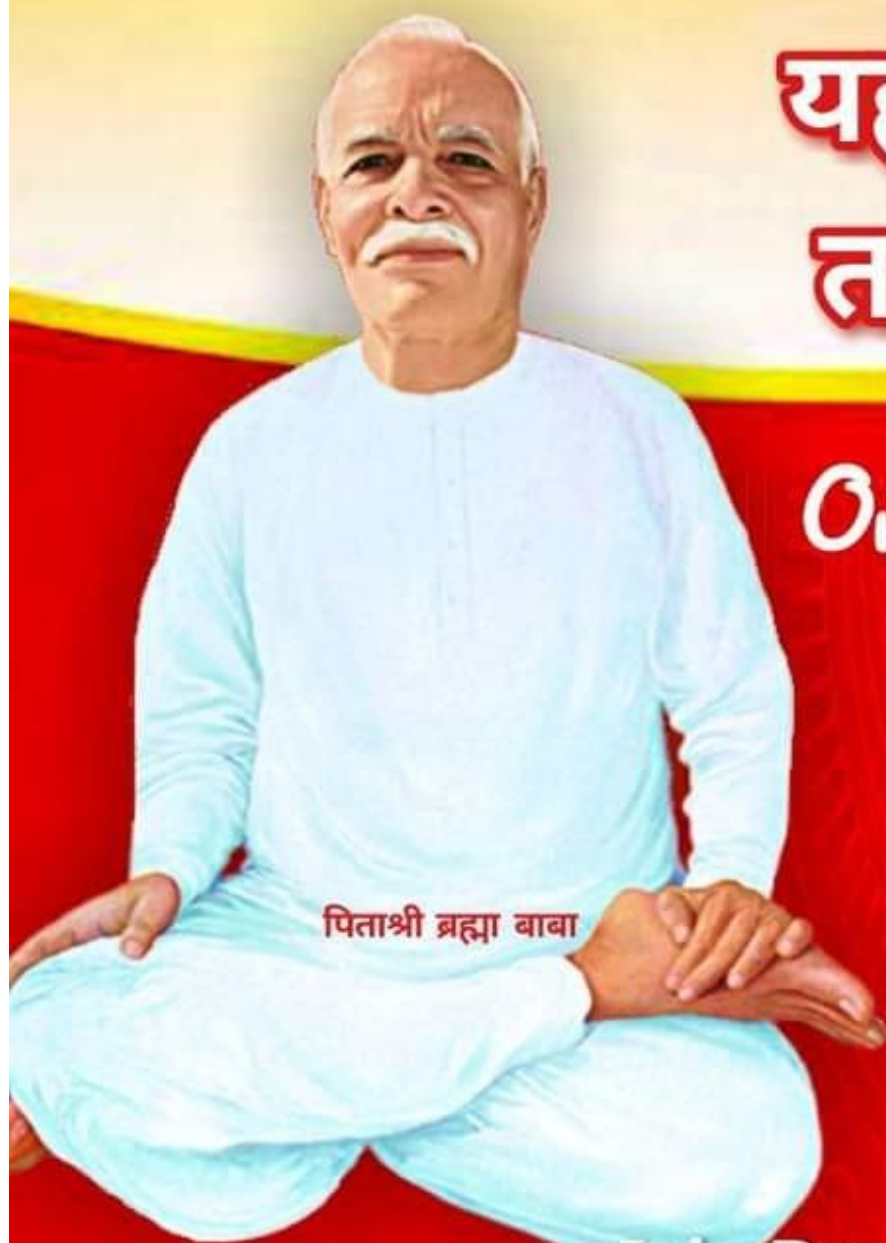
एक सेकण्ड में फुल स्टॉप



ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

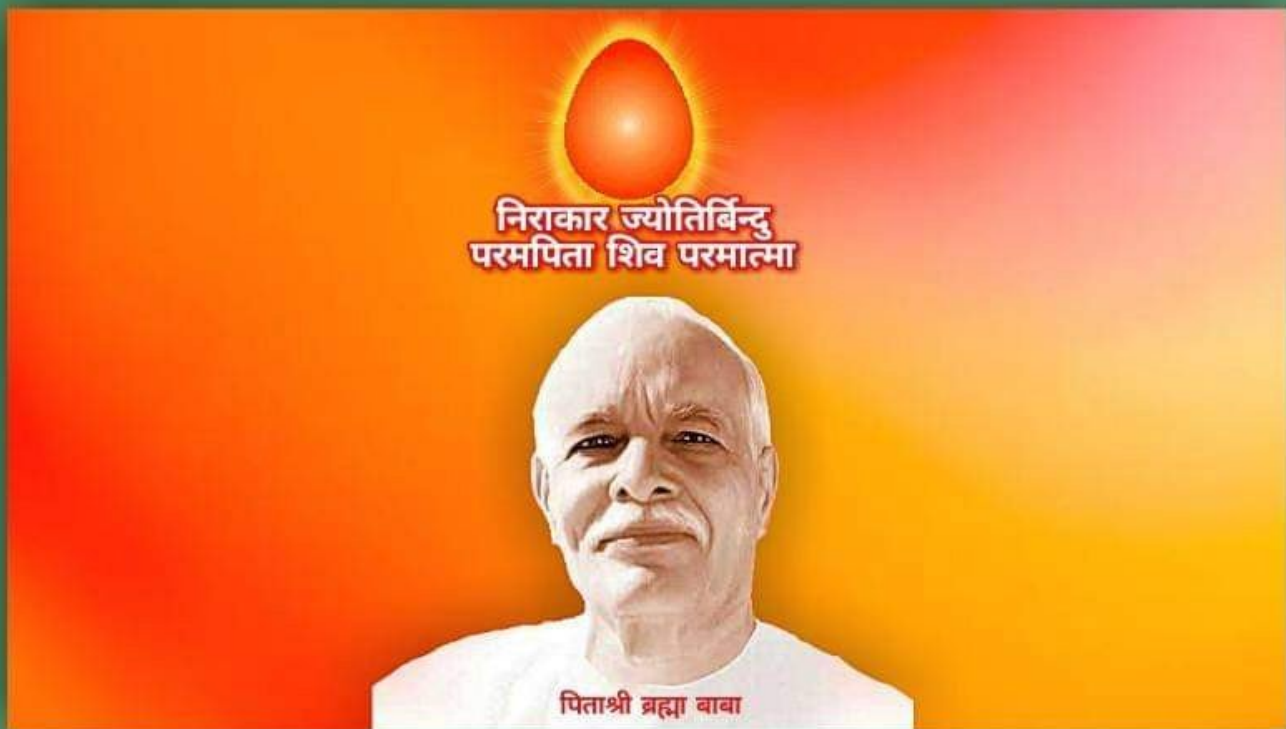
दिल सदा
एक दिलाराम
शिवबाबा में
लगी रहे
यही सच्ची
तपस्या है

Om Shanti



पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris



निराकार ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Om Shanti

**सोचना, कहना और करना
इन तीनों को समान बनाओ**

बापदादा अब सभी बच्चों को समान और सम्पन्न देखना चाहते हैं। सम्पन्न बनने के लिए सोचना, कहना और करना तीनों समान हो, यह इच्छा पूरी तब होगी जब और सब इच्छाओं से इच्छा मात्रम् अविद्या बनेंगे। छोटी-छोटी अनेक प्रकार की इच्छायें ही इस एक इच्छा को पूर्ण करने नहीं देती हैं।

Join Brahma Kumaris



**जो बच्चे सदा परमात्मा से समीप
सम्बन्ध में रहते हैं और सर्व प्राप्तियों
का अनुभव करते हैं उन्हें सदा
सहजयोग का अनुभव होता है।**



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org